मेरी कहानी मेरी जुबानी

मैं शमशेर सिंह सुपुत्र श्री बलबीर सिंह पूर्व सरपंच गांव लौहारी तहसील मतलौडा, जिला पानीपत का रहने वाला हूँ। मेरे पिता जी के पास लगभग 32 एकड़ जमीन है। हम चार भाई है। हमारी जमीन लौहारी गांव की पश्चिमी दिशा में रजबाहे के दोनों तरफ है तथा यह जमीन रेतीली दोमट है। बरसात के दिनों में इस जमीन पर लगभग 3–4 फुट जलभराव रहता है। सामान्यतः हम गेंहू, धान की खेती ही उगाते है। पिछले एक–दो सालों से गन्ना भी उगाने का प्रयास किया है, लेकिन कोई सफलता प्राप्त नहीं हुई है। जमीन रेतीली दोमट होने के कारण जो फसल उगाते है फसल से कोई मुनाफा नहीं होता जो फसल पर लागत आती है इतने की ही फसल जाती है। वर्ष 2011 में श्री सुरेन्द्र सिह, वन रक्षक तथा श्री जयकिशन बांगड, वन राजिक अधिकारी के मागदर्शन में सामुदायिकी वानिकी रेंज, पानीपत के सम्पर्क में आये तथा दिसम्बर, 2011 में अपने खेतों की लगभग 50 डोलों पर हमने 2000नं0 सफेदा क्लोन के पौधे लगवाये। श्री सुरेन्द्र सिह, वन रक्षक तथा श्री जयकिशन बांगड, वन राजिक अधिकारी के मागदर्शन में ये पौधे उत्तर–दक्षिण दिशा में लगवाये। इन सफेदा क्लोन के वृक्षों से वर्ष 2017 में 9,82,000/–रू0 में बेचकर हमने एकमुश्त राशि के रूप में अच्छा मुनाफा कमाया है। मैंने कभी सपने में भी नहीं सौचा था कि अपनी जमीन से और भी पैदावार ले पाऊंगा। मैं श्री सुरेन्द्र सिह, वन रक्षक तथा श्री जयकिशन बांगड, वन राजिक अधिकारी का तहेदिल से आभारी हूँ जिनमें सम्पर्क में आने से मैं, अपनी जमीन का उचित उपयोग कर पाया तथा अपनी फसल के साथ–2 सफेदों के वृक्षों की फसल से अच्छी आमदनी ले पाया हूँ। मेरी देखा–देखी में मेरे गांव लोहारी तथा आस–पास के कालखां, सुताना एवं आसन कलां गावों के लगभग 50–60 जमींदारों ने भी अपनी–2 जमीन में सफेदे के वर्ष लगवाये।

अतः मैं सरकारी से दरखास्त करता हूँ कि वन विभाग द्वारा इस स्कीम के तहत अधिक से अधिक पौधे लगाये जाएं, ताकि मेरी तरह और भी जमींदार भाई इसका फायदा उठा सके।

शमशेर सुपुत्र श्री बलबीर सिंह पूर्व सरपंच
गांव लौहारी तहसील मतलौडा,
जिला पानीपत
मोबाईल नं0–89300–00166

1054 Acc. Branch